ANDHRA UNIVERSITY

DEPARTMENT OF HINDI

PROGRAM : M.A HINDI

REGULATION AND SYLLABUS

EFFECTIVE FROM 2021-2022 BATCH

Programme Outcomes

PO1: To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Hindi literature and language.

PO2: To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi language and literature and it's allied fields.

PO3: Continue to acquire relevant knowledge and skills appropriate to professional activities.

PO4: Create awareness to become an enlightened citizen with commitment to deliver one's responsibilities within the scope of bestowed rights and privileges.

Programme Specific Outcomes

PSO1: To prepare and motivate students for research studies in Hindi language and literature and related fields.

PSO2: To provide advanced knowledge of different theories of Hindi language and literature and empowering the students to pursue higher degrees/research at reputed academic institutions.

PSO3: To assist students in preparing (personal guidance, books) for competitive exams. e.g. NET/SET, Staff Selection Commission, Banking sector/Govt. of India undertakings (Rajbhasha Sahayak or Hindi Officer/ Hindi Translator), School Service Commission etc.

DEPARTMENT OF HINDI

COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 1st YEAR

SEMESTER - I

PAPER 1 : HISTORY OF HINDI LITRATURE
(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

PAPER 2 : THEORY OF LITERATUE (INDIAN AND WESTERN)

(भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

PAPER 3 : MODERN HINDI POETRY
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

PAPER 4 : HINDI PROSE
हिन्दी गद्य

PAPER 5 : SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR
a) KABIRDAS
b) PREMCHAND
(विशेष अध्ययन : कबीरदास)
(विशेष अध्ययन : प्रेमचंद)

PAPER 6 : MORAL SCIENCE - ORAL(SEMINAR, VIVA-VOCE)

DEPARTMENT OF HINDI

COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 1st YEAR

SEMESTER - II

PAPER 6 : HISTORY OF HINDI LITRATURE - II
(हिन्दी साहित्य का इतिहास - II)

PAPER 7 : THEORY OF LITERATUE (INDIAN AND WESTERN - II
(भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - II)

PAPER 8 : MODERN HINDI POETRY - II
(भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - II)

PAPER 9 : HINDI PROSE - II
(हिन्दी गद्य - II)

PAPER 10 : SPECIAL STUDY OF AN AUTHOR - II

a) KABIRDAS
(विशेष अध्ययन : कबीरदास)

b) PREMCHAND
(विशेष अध्ययन : प्रेमचंद)

PAPER 11 : MORAL SCIENCE - ORAL(SEMINAR, VIVA-VOCE)

DEPARTMENT OF HINDI

COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 2nd YEAR

SEMESTER - III

PAPER 1 : OLD AND MEDIWAL POETRY - I
(प्राचीन एवं मध्य कालीन कविता - I)

PAPER 2 : FUCTIONAL HINDI
प्रयोजन मूलक हिन्दी

PAPER 3 : LIGUISICS & HISTORY OF HINDI LITRATURE
भाषा विज्ञान

PAPER 4 : SPECIAL STUDY (ESSAY - I)
(निबंध साहित्य - I)

PAPER 5 : SPECIAL STUDY OF LITRATURE TREND - UPANYAS SAHITYA
उपन्यास साहित्य

PAPER 6 : MORAL SCIENCE - ORAL(SEMINAR, VIVA-VOCE)

DEPARTMENT OF HINDI

COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE

ANDHRA UNIVERSITY, VISAKHAPATNAM-530003

M.A HINDI 2nd YEAR

SEMESTER - IV

PAPER 1 : OLD AND MEDIWAL POETRY - II
(प्राचीन एवं मध्य कालीन कविता - II)

PAPER 2 : TRANSLATION
(अनुवाद विज्ञान)

PAPER 3 : HISTORY OF HINDI LITRATURE
(हिंदी भाषा का इतिहास)

PAPER 4 : SPECIAL STUDY (ESSAY - II)
(निबंध साहित्य - II)

PAPER 5 : SPECIAL STUDY OF LITRATURE TREND - UPANYAS SAHITYA - II
(उपन्यास साहित्य - II)

PAPER 6 : MORAL SCIENCE - ORAL (SEMINAR, VIVA-VOCE)

DEPARTMENT OF HINDIs

COLLEGE OF ARTS AND COMMERCE

M.A. HINDI SYLLABUS FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

M.A HINDI
1st SEMESTER

Sl.No	Code	Name of the Paper	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL	HRS	CREDIT
1	AHS-101-A	History of Hindi Literature	20	80	100	6	5
2	AHS-102-A	Theory of Literature - I (India)	20	80	100	6	5
3	AHS-103-A	Modern Hindi Poetry - I	20	80	100	6	5
4	AHS-104-A	Hindi Prose	20	80	100	6	5
5	AHS-105-A	Specialization : Permchand	20	80	100	6	5

M.A HINDI
2nd SEMESTER

Sl.No	Code	Name of the Paper	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL	HRS	CREDIT
1	AH-S-201-A	History of Hindi Literature	20	80	100	6	5
2	AH-S-207-A	Theory of Literature (Western)	20	80	100	6	5
3	AH-S-203-A	Modern Hindi Poetry – 1I	20	80	100	6	5
4	AH-S-204-A	Hindi Prose - II	20	80	100	6	5
5	AH-S-205-A	Premchand	20	80	100	6	5

M.A HINDI
IIIrd SEMESTER

Sl.No	Code	Name of the Paper	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL	HRS	CREDIT
1	AHS 312-A	Old and Medieval Poetry - I	20	80	100	6	5
2	AHS 302-A	Functional Hindi	20	80	100	6	5
3	AHS 303-A	Linguistics	20	80	100	6	5
4	AHS 304-A	Optional Paper **Essay**	20	80	100	6	5
5	AHS 307-A	Upanyasa Sahitya	20	80	100	6	5
6		**MOOCs Course**			50	6	2

M.A HINDI
IVth SEMESTER

Sl.No	Code	Name of the Paper	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL	HRS	CREDIT
1	AHS-401-A	Old and Medielval Peotry - II	20	80	100	6	5
2	AHS-402-A	Translation	20	80	100	6	5
3	AHS-403-A	History of Hindi Language	20	80	100	6	5
4	AHS-404-A	Essay (Specialization)	20	80	100	6	5
5	AHS-412-A	Upanyasa Sahitya - II	20	80	100	6	5

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - I		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-101- A	**History of Hindi Literature** **हिन्दी साहित्य का इतिहस (रीति काल तक)**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

CO1: वद्यार्थी हिन्दी साहित्य केइतिहास केप्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य का परिचय प्राप्त कर पायेंगे।

CO2: हन्दी साहित्येतिहास केंविविध काल उनकी पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ विषयक जानकारी प्राप्त कर पायेंगे। विशेषकर प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य संबंधी।

CO3: भिक्त काल की विभिन्न धाराएँ ,उन धाराओं में प्रविहत विशिष्ट काव्य एवं रचनाकारों का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

CO4: विवध कालों की ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक पारिस्थितयों का आकलन कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Mandatory - 101 - A : हिन्दी साहित्य का इतिहस (रीति काल तक)

1. इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पध्दतियां।
3. हिंदी साहित्य का काल-विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण।
4. हिंदी साहित्य के आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियां।
5. आधिकालीन हिन्दी साहित्य के विविध काव्यधाराएँ। (रास, जैन और नाथ)
6. हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य।
7. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन।
8. भक्तिकालीन विभिन्न-काव्यधारायें एवं प्रमुख संप्रदाय और वैचारिक आधार।
9. प्रमुख निर्गुण संत कवि एवं उनका योगदान-भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि-सूफीकाव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
10. प्रमुख सगुण कवि एवं उनका योगदान-राम और कृष्ण काव्यों का रचनागत वैशिष्ट्य भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

11. रीतिकाल अथवा उत्तर माध्यमिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-समय-सीमा एवं नामकरण।
12. रीतिकाल की दरबारी और लक्ष्मण ग्रंथों के परंपरा एवं प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्त) ।
13. रीतिकाल के काव्यधारायें-प्रतिनिधि कवि और रचनाएँ।
14. रीतिकाल की काव्य धाराओं का कल्पनात्मक अभिव्यंजना, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

Course Specific Outcomes : पाठ्यक्रम केपरिणाम:

1. साहित्येतिहास के लेखन में काल विभाजन,समय निर्धारण आदि के द्वारा तत्कालीन साहित्य की पृष्ठ भूमि का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. भक्ति साहित्य का आविर्भाव, विभिन्न काव्य धाराएँ, उनका वैशिष्ट्य।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की भाषा, अभिव्यक्ति, मानवीय दृष्टिकोणों का सार्थक निरूपण।
4. भक्ति आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर रचनाकार एवं दार्शनिकों के द्वारा भक्ति साहित्य की श्री वृद्धि।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - I		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-102 - A	**Theory of Literature - I (India)** **भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी काव्य के लक्षण, प्रयोजन, प्रकार आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
2. विविध काव्य सिद्धांत, उनकी अवधारणा भेद आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. काव्य सिद्धांत- उनके प्रवर्तक, समर्थक, आलोचक आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Core-Semester - I - Mandatory - 102 - A : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र: ।

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य-परंपरा एवं कवि शिक्षा ।

2. **रस सिद्धांत :** रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण सहृदय की अवधारणा । **अलंकार सिध्दांत:** मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।
3. **रीति सिद्धांत:** रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की स्थापनाएँ ।
4. **वक्रोक्ति-सिद्धांत :** वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद ।
5. **ध्वनि-सिद्धांत :** ध्वनि का स्वरूप, ध्वन-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणी भूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य ।
6. **औचित्य-सिद्धांत** - प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

co1: संस्कृत की आचार्य परंपरा से अवगत होंगे ।

co2: विवध काव्य सिद्धांत, काव्य की आत्मा, काव्य हेतु ,काव्य लक्षण आदि से विद्यार्थी पर्रिचित होंगे ।

co3: रस,छंद अलंकार का विस्तृत ज्ञान प्राप्त होगा।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - I		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-103 - A	**Theory of Literature - I (India)** **आधुनिक हिन्दी कविता**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी आधुनिक काल के विविध वाद - प्रमुख कवि, उनकी रचनाओं का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
2. विशेष रूप से मैथिली शरण गुप्त,जयशंकर प्रसाद एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताओं का सविस्तार ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. अयोध्या सिंह, महादेवी वर्मा,नवीन, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandatory - 103 - A : आधुनिक हिन्दी कविता

संदर्भ सहित व्याख्याओं के लिए और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए स्वीकृत ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग), भारत – भारती
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, ईड़ा)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : सरोजस्मृति, राम की शक्ति पूजा

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत कवि गण :

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
2. बालकृष्ण शर्मा "नवीन"
3. महादेवी वर्मा न
4. रेश मेहता
5. धर्मवीर भारती
6. भवानी प्रसाद मिश्र

Course Objective : पाठ्यक्रम का परिणाम:

विद्यार्थी आधुनिक काल के प्रमुख काव्यों की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे विशेषकर -

1. गुप्त जी का काव्य - साकेत में वर्णित उपेक्षित नारियों की मनोदशा का आकलन।
2. प्रसाद जी की कामायनी के मनु, श्रद्धा एवं इड़ा पात्रों द्वारा दर्शित दार्शनिकता का अवलोकन।
3. निराला जी की कविता राम की शक्ति पूजा का काव्य सौष्ठव।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - I		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-104 - A	**Theory of Literature - I (India)** **हिन्दी गद्य**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं से परिचित हो पायेंगे।
2. नाटक का उद्भव विकास, नाटक के तत्व, विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे विशेषकर प्रसाद कृत चन्द्र गुप्त नाटक के संदर्भ में।
3. उपन्यास विधा के अंतर्गत प्रेमचन्द कृत गोदान उपन्यास से विशद रूप से परिचित होंगे।
4. एकांकी विधा का भी परिचय प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandatory - 104 - A : हिन्दी गद्य

I. संदर्भ सहित व्याख्या के लिए स्वीकृत पुस्तकें :-

1. जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त

2. प्रेमचंद : गोदान (व्याख्या के लिए प्रथम **15** अध्याय)

3. श्रेष्ठ एकांकी : सं डॉ विजयपाल सिंह
नरेश पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली

II. आलोचनात्मक प्रश्नों स्वीकृत पुस्तकें :-

1. चंद्रगुप्त

2. गोदान

3. श्रेष्ठ एकांकी

III. द्रुत पाठ हेतु : लघूत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत लेखक गण :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र, गौरीदत्त, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, (नाटककार)
धर्मवीर भारती, यशपाल

2. जैनेंद्र कुमार, मन्नू भंडारी (उपन्यासकार)
अमृतलाल नागर, भीष्म साहनी, जगदीश चन्द्र

Course Objective : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. गद्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त होगा।
2. गद्य साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन ।
3. ऐतिहासिक नाटक के अध्ययन से भारत के प्राचीन गौरव का आकलन ।
4. सामाजिक उपन्यास के अध्ययन से तत्कालीन सामाजिक, पारिवारिक, राजनैतिक आदि परिस्थितियों से परिचित होंगे।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - I		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-105 - A	**Special Study of An Author - I** **विशेष अध्ययन : प्रेमचंद - I**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विशेष अध्ययन के अंतर्गत विद्यार्थी उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द के उपन्यास एवं कहानियों का परिचय प्राप्त कर पायेंगे।
2. उपन्यास कला की दृष्टि से उपन्यासों का विशद अध्ययन, तत्कालीन सामाजिक,आर्थिक, पारिवारिक परिस्थितियों का आकलन कर सकेंगे।
3. कहानी तत्व के आधार पर कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Optional - 105 - A : विशेष अध्ययन : प्रेमचंद

I. **संदर्भ सहित व्याख्या के लिए स्वीकृत पुस्तकें :**

1. निर्मला
2. सेवा सदन
3. मानसरोवर भाग-1 (प्रथम 15 कहानियां)

II. **विस्तृत अध्ययन के लिए स्वीकृत पुस्तकें :**

1. निर्मला
2. सेवा सदन
3. मानसरोवर भाग-1 (प्रथम 15 कहानियां)

III. **लघूत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत विषय :**

1.प्रेमचंद कालीन युगीन परिस्थितियाँ
2. हिंदी कथा साहित्य का उद्भव और विकास एवं प्रेमचंद का स्थान
3. प्रेमचंद के रचना - साहित्य के प्रेरणास्त्रोत केंद्रीय वस्तु एवं विचारधारा
4. प्रेमचंद की जीवनी और कृत्तियाँ

IV. अतिलघूत्तरी प्रश्नों संपूर्ण पाठ्य-कर्म से दिये जायेंगे :

Course Objective : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. कलम के सिपाही मुन्शी प्रेमचन्द जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विशद अध्ययन।
2. प्रेमचन्द जी के उपन्यासों में चित्रित तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं समस्याओं का विशद विवेचन।
3. कहानी एवं उपन्यास के तत्वों का अध्ययन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - II		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-201 - A	**History of Hindi Literature - II** **हिन्दी साहित्य का इतिहास - II**	**5**
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य का परिचय प्राप्त कर पायेंगे।
2. हिन्दी साहित्येतिहास के विविध काल उनकी पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ विषयक जानकारी प्राप्त कर पायेंगे। विशेषकर प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य संबंधी।
4. भक्ति काल की विभिन्न धाराएँ ,उन धाराओं में प्रवहित विशिष्ट काव्य एवं रचनाकारों का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
5. विविध कालों की ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का आकलन कर सकेंगे।

Core-Semester - II - Mandatory - 201 - A : हिन्दी साहित्य का इतिहास - 2

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं युगीन परिस्थितियाँ।
2. भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य।
3. भारतीय नवजागरना और राष्ट्रिय आन्दोलन।
4. विभिन्न काव्य प्रवृत्तियाँ।

   विभिन्न काव्यधाराओं का विकास।

   भारतेन्दु युग और युगीन काव्य धारा।

   द्विवेदी युग और युगीन काव्य धारा।

   राष्ट्रिय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वछन्दतावाद और उनका प्रमुख कवि।

   छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता – प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ – प्रवृत्ति मूलक विकास।
5. आधुनिक काल : गद्य साहित्य।

   आधुनिकता बोध और साहित्यिक विधाएँ उपन्यास एवं कहानी विधा ऐतिहासिक विकास प्रतिनिधि रचनाये और रचनाकार।

6. नाटक एवं एकाँकी विधा – ऐतिहासिक विकास और वर्गिकरण प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार

7. निबंध विधा – ऐतिहासिक विकास प्रतिनिधि रचनाएँ और रचनाकार।

Course Outcomes : पाठ्यक्रम के परिणाम:

co1: साहित्येतिहास के लेखन में काल विभाजन,समय निर्धारण आदि के द्वारा तत्कालीन साहित्य की पृष्ठ भूमि का ज्ञान प्राप्त होगा।

co2: भिक्त साहित्य का आविर्भाव, विभिन्न काव्य धाराएँ, उनका वैशिष्ट्य।

co3: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की भाषा, अभिवयिक्त, मानवीय दृष्टिकोणों का सार्थक निरूपण।

co4: भिक्त आंदोलन केमाध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर रचनाकार एवं दार्शनिकों के द्वारा भिक्त साहित्य की श्री वृद्धि।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - II		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-207 - A	**Theory of Literature - II (Western)** **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम के परिणाम:

1. साहित्येतिहास के लेखन में काल विभाजन,समय निर्धारण आदि के द्वारा तत्कालीन साहित्य की पृष्ठ भूमि का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. भक्ति साहित्य का आविर्भाव, विभिन्न काव्य धाराएँ, उनका वैशिष्ट्य।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की भाषा, अभिव्यक्ति, मानवीय दृष्टिकोणों का सार्थक निरूपण।
4. भक्ति आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर रचनाकार एवं दार्शनिकों के द्वारा भक्ति साहित्य की श्री वृद्धि।

Core-Semester - II - Mandatory - 207 - A : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो : काव्य-सिध्दांत
अरस्तू : अनुकरण-सिध्दांत, त्रासदी-विवेचन
लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा
डाइड्न : डाइड्न के काव्य सिध्दांत
वर्डसवर्थ: काव्य-भाषा का सिध्दांत
कालरिज : कल्पना-सिध्दांत और ललित-कल्पना
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा
आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।
सिध्दांत और वाद: अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, आभिव्यंजनावाद, मार्कसवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ :
संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विडंबनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

शास्त्रीय, व्यक्तिवाद, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववाद, मानो-विश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलिवैज्ञानिक और समाज शास्त्रीय।

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

co1: संस्कृत की आचार्य परंपरा से अवगत होंगे।

co2: विवध काव्य सिद्धांत, काव्य की आत्मा, काव्य हेतु ,काव्य लक्षण आदि से विद्यार्थी पर्रिचित होंगे।

co3: रस,छंद अलंकार का विस्तृत ज्ञान प्राप्त होगा।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - II		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS - 203 - A	**Modern Hindi Poetry - II** **आधुनिक हिन्दी कविता - II**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी आधुनिक काल के विविध वाद - प्रमुख कवि, उनकी रचनाओं का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

2. विशेष रूप से मैथिली शरण गुप्त,जयशंकर प्रसाद एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताओं का सविस्तार ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

3. अयोध्या सिंह, महादेवी वर्मा,नवीन, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - II - Mandatory - 203 - A : आधुनिक हिन्दी कविता

I. संदर्भ सहित व्याख्याओं के लिए और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए स्वीकृत ग्रंथ :

1. सुमित्रानंदन पंत : प्ररिवर्तन, प्रथमरशमी।
2. रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी (तीसरा सर्ग), रश्मीरथी।
3. आज्ञेय : असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार।

II. लघूत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत कवि गण :

1. दुष्यंत कुमार **2.** धूमिल **3.** शमशेर बहादूर सिंह **4.** हरिवंशराय “बच्चन”
5. कूवर नारायण **6.** नागार्जुन **7.** मुक्तिबोध।

III. अतिलघुत्तरी प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूंछे जायेंगे :

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

वद्यार्थी आधुनिक काल केप्रमुख काव्यों की काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे विशेषकर

co1: गुप्त जी का काव्य - साकेत में विर्णत उपेक्षित नारियों की मनोदशा का आकलन।

co2: प्रसाद जी की कामायनी केमनु, श्रद्धा एवं इड़ा पात्रों द्वारा दिर्शत दार्शनिकता का अवलोकन।

co3: नराला जी की किवता राम की शिक्त पूजा का काव्य सौष्ठव।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - II		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS -204 - A	**Hindi Prose - II** **हिन्दी गद्य - II**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं से परिचित हो पायेंगे।

2. नाटक का उद्भव विकास, नाटक के तत्व, विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे विशेषकर प्रसाद कृत चन्द्र गुप्त नाटक के संदर्भ में।

3. उपन्यास विधा के अंतर्गत प्रेमचन्द कृत गोदान उपन्यास से विशद रूप से परिचित होंगे।

4. एकांकी विधा का भी परिचय प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - II - Mandatory - 102 - A : हिन्दी गद्य

I. संदर्भ सहित व्यखाया के लिए स्वीकृत पुस्तकें :-

1. कहानी सप्तक : संपादक डॉ. सुधांशुमार नायक
2. आवारा मसीहा : डॉ. विष्णु प्रभाकर (व्यखाया के लिए केवल प्रथम पर्वह)
3. चिंतामणि भाग – **1** **:** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – चिंतामणि – भाग **-1**

II. आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए स्वीकृत पुस्तकें :

1. कहानी सप्तक
2. आवारा मसीहा
3. चिंतामणि भाग **- 1**

III. लघुत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत लेखक गण :

1. बालमुकुंद गुप्त**,** नगेंद्र [निबंधकार]
   आचार्य सुंदर रेड्डी**,** डॉ. श्याम सुंदर दास**,** डॉ. विश्वनाथ**,** अज्ञेय
2. यशपाल**,** फणीश्वरनाथ रेणु**,** डॉ. रांगेय राघव [कहानीकार]
   अज्ञेय**,** पांडेयबेचन शर्मा उग्र
3. हरिवंश राय बच्चन **-** जीवनी दशद्वार से सोपान तक – जीवनी
   अमूतराय [काल का सिपाही]

शिवप्रसाद सिंह [उत्ता योगी] जीवनी
राहुल सांकृत्यायन [घुम्मक्कड़ शास्त्र]
माखनलाल चतुर्वेदी [साहित्य देवता]

IV. अतिलघुत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत आलोचनात्मक पुस्तकें से पूछे जायेंगे :

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

CO1: गद्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त होगा।

CO2: गद्य साहित्य केमूर्धन्य साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन।

CO3: ऐतिहासिक नाटक केअध्ययन से भारत के प्राचीन गौरव का आकलन।

CO4: सामाजिक उपन्यास केअध्ययन से तत्कालीन सामाजिक, पारिवारिक, राजनैतिक आदि परिस्थितयों से परिचित होंगे।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - II		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-205 - A	**Special Study of An Author - II** **विशेष अध्ययन : प्रेमचंद -II**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विशेष अध्ययन के अंतर्गत विद्यार्थी उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द के उपन्यास एवं कहानियों का परिचय प्राप्त कर पायेंगे।
2. उपन्यास कला की दृष्टि से उपन्यासों का विशद अध्ययन, तत्कालीन सामाजिक,आर्थिक, पारिवारिक परिस्थितियों का आकलन कर सकेंगे।
3. कहानी तत्व के आधार पर कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे।

Core-Semester - II - Optional - AHS - 205 - A : विशेष अध्ययन : प्रेमचंद -II

I. **संदर्भ सहित व्यखाया के लिए स्वीकृत पुस्तकें :**

1. गौदान (व्याख्या केलिए केवल **15** अध्याय है)
2. रंगभूमि (व्याख्या केलिए केवल **15** अध्याय है)
3. मानसरोवर भाग **1 (**प्रथम **16 – 30** कहानियाँ)

II. **आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए स्वीकृत पुस्तकें :**

1. गौदान
2. रंगभूमि
3. **मानसरोवर भाग** 1 **(प्रथम** 16 – 30 **कहानियाँ)**

III. **लघुत्तरी प्रश्नों के लिए स्वीकृत लेखक गण :**

1. प्रेमचंद के साहित्य की केन्द्रीय वस्तु
2. प्रेमचंद की रचनाएँ
3. प्रेमचंद के कथा – साहित्य में राष्ट्रिय चेतना
4. प्रेमचंद के कथा – साहित्य में कृषक चेतना
5. प्रेमचंद के कथा – साहित्य में नारी चेतना

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. कलम के सिपाही मुन्शी प्रेमचन्द जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विशद अध्ययन।
2. प्रेमचन्द जी के उपन्यासों में चित्रित तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं समस्याओं का विशद विवेचन।
3. कहानी एवं उपन्यास के तत्वों का अध्ययन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - III		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS 312-A	**Old and Medieval Poetry – I** **प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – I**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की भाषा - शैली से अवगत हो सकेंगे।
2. पदमावती समय के अध्ययन द्वारा तत्कालीन काव्य वैशिष्ट्य का आकलन कर पायेंगे।
3. कबीर के रहस्य वाद से परिचित होंगे। उनकी काव्य प्रतिभा,अभिव्यंजना कौशल का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. जायसी का दर्शन, सूफी सिद्धान्त और रहस्य वाद से परिचित हो सकेंगे। पद्मावत में चित्रित भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के तत्व का अध्ययन कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty - AHS - 312- A : प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता - I

पाठ्यांश :

व्याख्या एवं आलोचना भाग :

01. पृथ्वीराज रासो 'पद्मावती समय मात्र - डॉ. हरिहरनाथ टंडन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 3
02. कबीर संपादक डॉ. श्याम सुन्दर दास, खाखी भाग से 100 दोहे, पद भाग से प्रथम पच्चीस पद
03. जायसी ग्रंथावली संपादक, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पाठ मानसरोदक खण्ड और नागमती वियोग खण्ड ।

1. मध्ययुगीन कविता पृष्ठभूमि भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण भक्ति काव्य का दर्शन और संप्रदाय, भक्ति काव्य की सामाजिक चेतना और मानवीय संदर्भ, मध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य ।
2. निर्गुण भक्ति काव्य कबीर और जायसी

कबीर : काव्य प्रतिमा, भक्ति-दर्शन, योग, रहस्यवाद, सामाजिक चेतना अभिव्यंजना-कौशल ।

जायसी : काव्य प्रतिभा, दर्शन, सूफी सिद्धांत और रहस्यवाद, पद्मावत में भारतीय संस्कृति तथा लोक जीवन के तत्व, अभिव्यंजना कौशल ।

लघुत्तरी प्रश्नों के लिए दिए जाने वाले कविगण :

1. मीराबाई 2. रसखान

3. केशव 4. विद्यापति

5. भूषण

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम

co1: चंद बरदायी कृत पृथ्वी राज रासो केअध्ययन केद्वारा प्राचीन साहित्य केकाव्य सौष्ठव का ज्ञानार्जन।

co2: कबीर की काव्य प्रतिभा, योग,भिक्त - दर्शन आदि का विस्तृत अध्ययन।

co3: जायसी कृत पद्मावत केअध्ययन केद्वारा उनकी अभिव्यंजना कौशल का परिचय।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - III		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-302 - A	**Functional Hindi** **प्रयोजनमूलक हिन्दी**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा उसकी शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
2. भारत के स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी भाषा की भूमिका की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. भाषा के विविध रूप एवं भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा विषयक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. विविध प्रकार के पत्राचार, प्रकार, प्रयोग आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty - 302 - A : प्रयोजनमूलक हिन्दी

पहला खण्ड :

1. भाषा का सामाजिक संदर्भ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा उसकी शैलियाँ
3. भारतीय संविधान में हिन्दी।
4. स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी की भूमिका।
5. आधुनिक हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास।
6. भाषा के विविध रूप।
7. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
8. मानक हिन्दी।
9. हिन्दी शब्द की निरुक्ति।

द्वितीय खण्ड :

1. आलेखन उद्देश्य तथा प्रकार।
2. व्यक्तिगत पत्र सरकारी पत्र अर्धसरकारी पत्र।
3. सरकारी पत्राचार प्रकार।

4. कार्यालयीन पत्रों के ढाँचे। प्रयोग, स्वरूप, मसौदा लेखन।

5. टिप्पणी लेखन उद्देश्य टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के निदेश तथा टिप्पणी लेखन की विधि।

6. संक्षेपण : सिद्धांत और प्रयोग संक्षेपण का महत्व संक्षेपण की विधि।

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख तत्वों का अध्ययन।
2. हिन्दी भाषा के विविध रूपों का अध्ययन।
3. व्यक्तिगत पत्र, सरकारी पत्र ,अर्धसरकारी पत्र के ,स्वरूप,प्रकार, प्रयोग आदि का अध्ययन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-303 - A	**Linguistics** **भाषा विज्ञान**	**5**
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी भाषा विज्ञान के विविध शाखाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. भाषाओं के विभिन्न प्रकार के वर्गीकरण का अध्ययन कर पायेंगे।
3. भाषा विषयक प्रत्येक इकाई का विशद रूप से अध्ययन कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty - 303 - A : भाषा विज्ञान

प्रथम खण्ड :

1. भाषा की परिभाषा भाषा की संरचना।
2. भाषा विकास के मूल कारण।
3. भाषा के विविध रूप।
4. भाषा विज्ञान की परिभाषा भाषा विज्ञान की शाखाएँ।
5. भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण।
6. प्राचीन भारत में भाषा विज्ञान का इतिहास मुनित्रय, [पाणिनि, कात्यायन]
7. ध्वनि विज्ञान ध्वनि तथा भाषा ध्वनि में अंतर, ध्वनि यंत्र।
8. विभिन्न आधारों पर ध्वनियों का वर्गीकरण।
9. ध्वनि परिवर्तन के कारण।
10. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।
11. ध्वनि गुण।
12. ध्वनि ग्राम।
13. ध्वनि नियम ग्रिम नियम बर्नर नियम ग्रासमैन नियम।

द्वितीय खण्ड :

1. रूप विज्ञान - रूप और शब्द में अंतर रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
2. अर्थ परिवर्तन के कारण।
3. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
4. शब्द विज्ञान शब्द की परिभाषा - शब्दों का वर्गीकरण वाक्य की परिभाषा, वाक्यों के प्रकार।
5. वाक्य विज्ञान।
6. वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण।

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. भाषा की संरचना, भाषा के विविध रूपों का अध्ययन
2. भाषाओं के आकृति मूलक वर्गीकरण का अध्ययन।
3. विभिन्न भाषिक इकाइयों का विस्तृत ज्ञानार्जन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - III		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-304 - A	**Optional Paper - Special Study - Essay – I** **निबंध**	**5**
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective :

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी साहित्यिक निबंध के अंतर्गत आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ आदि विषयक विविध निबंधों का अध्ययन कर पायेंगे।
2. विविध साहित्येतर विषयक निबंधों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन प्रमुख कवियों के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का अध्ययन कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Optional - 102 - A : निबंध - I

I. साहित्यिक निबंधों के लिए स्वीकृत विषय :

1. साहित्य और समाज
2. आदिकाल की प्रवृत्तियाँ एवं उपलब्धियाँ
3. भक्तिकाल पृष्ठभूमि और महत्व
4. भक्तिकालीन संत काव्य
5. भक्तिकालीन सूफी काव्य
6. भक्तिकालीन राम काव्य
7. भक्तिकालीन कृष्ण काव्य
8. रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ एवं उपलब्धियाँ

II. साहित्येतर निबंध :

1. साहित्य और संस्कृति
2. भारतीय संस्कृति में अनेकता में एकता
3. सत्यम शिवम्, सुन्दरम
4. राष्ट्रीय एकता और शिक्षा
5. विद्यार्थी और राजनीति
6. विश्व शांति और भारत
7. निःशस्त्रीकरण
8. भारत में बेरोजगारी की समस्या

III. लघुत्तरी प्रश्नों के लिये स्वीकृत साहित्यकार :

1. चंदबरदाई
2. जगनिक

3. शारंग्डघर
4. कबीर
5. सूर
6. तुलसी
7. जायसी
8. मीराबाई
9. बिहारी
10. केशवदास

IV. अतिलघुत्तरी प्रश्नों के लिये स्वीकृत विषय :

1. आदिकालीन कवि
2. भक्तिकाल का समय
3. संत कवि
4. राम भक्ति शाखा के कवि
5. कृष्ण भक्ति शाखा के कवि
6. प्रेमाश्रयी शाखा के कवि
7. प्रमुख रीतिबद्ध कवि
8. प्रमुख रीति मुक्त कवि

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. विविध कालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों के निबंधों का अध्ययन।
2. साहित्येतर निबंध यथा विश्वशांति, निःशस्त्रीकरण,राष्ट्रीय एकता आदि विषयों का आकलन ३.प्राचीन एवं मध्यकालीन कवि यथा चंदबरदाई, कबीर, तुलसी आदि के रचनाओं का अध्ययन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - III		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-307 - A	**Upanyasa Sahitya – I** **उपन्यास साहित्य - I**	**5**
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी प्रमुख उपन्यास कारों के स्वीकृत उपन्यासों का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे यथा प्रेमचन्द कृत रंगभूमि, जैनेंद्र- त्यागपत्र, मन्नू भंडारी का आपका बंटी।
2. औपन्यासिक तत्वों, तत्कालीन समस्याओं का विशद रूप से परिचित हो सकेंगे।
3 .सामाजिक, आंचलिक, मनोवैज्ञानिक, यथार्थवादी आदि शैलियों का विशद ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Optional - 307 - A : उपन्यास साहित्य - I

I. व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिये स्वीकृत पुस्तकें

1. रंग भूमि - प्रेमचंद
2. त्याग पत्र - जैनेन्द्र
3. आपका बंटी - मन्नू भंडारी

II. लघुत्तरी पाठ के लिये स्वीकृत पुस्तकें

1. सूरज का सातवाँ घोडा - धर्मवीर भारती
2. मुझे चाँद चाहिए - सुरेन्द्र वर्मा
3. अँधेरे बंद कमरे - मोहन राकेश
4. सारा आकाश - राजेन्द्र यादव
5. जिन्दगी नामा - कृष्णा सोबती

पाठ्यांश :

आधुनिक कालीन परिस्थितियाँ एवं प्रेरणास्त्रोत

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

हिन्दी उपन्यासों का वर्गीकरण

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास की विशेषताएँ

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास भाषा एवं शिल्प

हिन्दी उपन्यास एवं युगीन परिस्थितियाँ

हिन्दी उपन्यासों में व्यक्त यथार्थ एवं आदर्श

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. कतिपय उपन्यासकारों के उपन्यासों का सविस्तार अध्ययन।
2. विविध प्रकार के उपन्यासों द्वारा तत्कालीन समस्याओं का आकलन।
3. विभिन्न भाषा शैलियों का अध्ययन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-401-A	**Old and Medielval Peotry – II** **प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – II**	**5**
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी मध्ययुगीन काव्य परंपरा, दरबारी संस्कृति एवं रीतिकाव्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. सगुण भक्ति काव्य के अंतर्गत सूरदास की काव्य प्रतिभा, ब्रज की लोक संस्कृति आदि से भ्रमरगीत सार के माध्यम से अवगत हो पायेंगे।

3.रीतिकालीन काव्य परंपरा में बिहारी की काव्य प्रतिभा, मुक्तक परंपरा एवं घनानंद की काव्य प्रतिभा, अभिव्यंजना कौशल आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty – AHS - 401 - A : प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – II

पाठ्यांश

व्याख्या एवं आलोचना भाग :

1. सूरदास - भ्रमरगीतसार (1-75 पद) संपादक - रामचंद्र शुक्ल नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास – "तुलसी संचयन" रामचरितमानस : बालकांड मात्र संपादक डॉ. वी. पी सिंह विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2
3. "रीतिकाव्य संग्रह" - संपादक डॉ विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन मंदिर 15-ए गांधी रोड, इलाहाबाद।
4. बिहारी 1-80 दोहा।

1. मध्ययुगीन कविता - मध्यकालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
2. सगुण भक्ति काव्य :-

सूरदास : काव्य प्रतिभा, मौलिक प्रसंगों के उद्भावना, शुद्ध अद्वैत: पुष्टि मार्ग और सूरदास, ब्रज की लोक संस्कृति प्रतिपाद्य वात्सल्य भक्ति और श्रृंगार रस राजत्व, अभिव्यंजना कौशल।

तुलसीदास : काव्य प्रतिभा, दर्शन और भक्ति भावना, सांस्कृतिक चेतना और युग संदर्भ, लोकनायकत्त्व, प्रबंध पटुता अभिव्यंजना कौशल।

3. रीतिकालीन काव्य :

बिहारी : काव्य प्रतिभा, समाज शक्ति और समाहार शक्ति, मुक्तक परंपरा और बिहारी, श्रृंगारिक्ता, अभिव्यंजना कौशल।

घनानंद: काव्य प्रतिभा, स्वच्छंद चेतना, प्रेमानुभूति, विप्रलंभ श्रृंगार अभिव्यंजना कौशल।

लघुत्तरी प्रश्नों के लिए दिए जाने वाले कविगण :-

1. नंददास
2. आमिर खुसरो
3. रहीम
4. दादुर
5. देव

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य परंपराओं का विस्तृत अध्ययन।
2. सूरदास एवं तुलसीदास की भाषा शैली तथा अभिव्यंजना पद्धति का विपुल निरीक्षण।
3. प्राचीन एवं मध्यकालीन कतिपय कवियों का संक्षिप्त परिचय।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER – IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS-402 - A	**Translation** **अनुवाद विज्ञान**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार एवं शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. अनुवाद केलिए भाषाविज्ञान के ज्ञान की आवश्यकता का आकलन कर सकेंगे।
3. अनुवाद कार्य की व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं उत्पन्न समस्याओं का अध्ययन कर पायेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty - AHS - 402- A : अनुवाद विज्ञान

प्रथम खंड :

1. अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया
3. अनुवाद के प्रकार
4. अनुवाद की शैलियां
5. अनुवाद और भाषा विज्ञान
6. अनुवाद क्या है ? शिल्प, कला विज्ञान

द्वितीय खंड :

1. मुहावरे तथा लोकोक्तियां के अनुवाद की समस्याएँ
2. काव्यानुवाद की समस्याएँ
3. अनुवाद की व्यवहारिकर कठनाइयाँ
4. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ
5. कार्यालय साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ
6. साहित्यिक विषय का अनुवाद की समस्याएँ

7. पारिभाषिक व तकनीकी शब्दावली का निर्माण
8. अनुवाद : अभ्यास (मुहावरों का, कहावतों का, तकनीकी शब्दावली व विभिन्न विषयक गद्यांशों का)

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम :

co1: अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप,प्रक्रिया, प्रकार एवं शैलियों का विस्तृत अध्ययन।

co2: अनुवाद की व्यावहारिक किठनाइयाँ तथा काव्यानुवाद की समस्याओं का विपुल परिचय।

co3: वैज्ञानिक एवं कार्यालय साहित्य केअनुवाद में उत्पन्न समस्याओं का आकलन।

co4: पारिभाषिक व तकनीकी शब्दावली केनिर्माण पद्धति

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS - 403 - A	**History of Hindi Language** **हिंदी भाषा का इतिहास**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी भाषाओं के ऐतिहासिक(पारिवारिक) वर्गीकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा का स्वरूप तथा हिन्दी की उप भाषाएँ व बोलियों का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर पायेंगे।
3. भारत की प्राचीन लिपियों से परिचित हो सकेंगे।
4. देवनागरी लिपि एवं उसकी वैज्ञानिकता का आकलन कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Mandaroty - AHS - 403 - A : हिंदी भाषा का इतिहास

प्रथम खंड :

1. संसार की भाषाओं का ऐतिहासिक [पारिवारिक] वर्गीकरण
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
3. हिंदी तथा अन्य भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
4. हिंदी भाषा का स्वरूप तथा हिंदी की बोलियों का संक्षिप्त परिचय
5. भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण –ग्रियर्सन तथा चटर्जी के अभिमत

द्वितीय खंड :

1. हिंदी के कारकों का विकास और इतिहास
2. हिंदी के सर्वनामों का विकास और इतिहास
3. भारतीय प्राचीन लिपियाँ- खरोष्ठी और ब्राह्मी
4. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

co1: भाषाओं का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास का अध्ययन।

co2: हन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय।

co3: हन्दी केसर्वनामों तथा कारकों के इतिहास एवं विकास का अध्ययन।

co4: देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता का आकलन।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS - 404 - A	**Optional Paper - Special Study of Literary Trend - Essay - II**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी साहित्यिक निबंधों के अंतर्गत गद्यकाल,हिन्दी कथासाहित्य, हिन्दी निबंध आदि के उद्भव एवं विकास का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।
2. साहित्येतर निबंध के अंतर्गत पर्यावरण प्रदूषण, युवा आक्रोश, अणु शक्ति आदि कतिपय निबंधों का अध्ययन कर पायेंगे।
3. कतिपय हिन्दी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Core-Semester - I - Optional - AHS - 404 - A : Optional Paper - Essay - II

साहित्यिक निबंधों के लिए स्वीकृत विषय

1. आधुनिक काल : आधुनिकता और परिवेश
2. गद्यकाल का उद्भव और विकास
3. हिंदी कथा-साहित्य का उद्भव और विकास
4. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
5. हिंदी निबंध का उद्भव और विकास
6. आदर्श और यथार्थवाद
7. छायावाद और छायावादोत्तर काव्य
8. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

साहित्येतर निबंध :

1. राष्ट्रभाषा हिंदी
2. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
3. विज्ञान : वरदान या अभिशाप
4. युवा आक्रोश
5. पर्यावरण और प्रदूषण
6. अनु शक्ति
7. भारतीय अर्थ व्यवस्था एवं जीवन-मूल्य
8. भारत का आधुनिकीकरण

लघु उत्तरीय प्रश्नों के लिए स्वीकृत साहित्यकार

1. भूषण
2. देव

3. घनानंद
4. प्रेमचंद
5. जयशंकर प्रसाद
6. मैथिलीशरण गुप्त
7. दिनकर
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी
9. महादेवी वर्मा
10. उषा प्रियंवदा

अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के लिए स्वीकृत विषय

1.भारतीय युग के कवि
2. छायावादी एवं छायावादोत्तर कवि
3. नई कहानी के लेखक
4. आंचलिक उपन्यासकार
5. प्रमुख जीवनी साहित्यकार
6. समकालीन कविता के कवि
7. प्रमुख निबंधकार
8. हिंदी रेखाचित्र के लेखक

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

1. हिन्दी साहित्य का गद्य काल,कथा साहित्य, निबंध, नाटक आदि के उद्भव एवं विकास का अध्ययन।
2. साहित्येतर कतिपय सामान्य निबंधों का अध्ययन।
3. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल संबंधी कतिपय साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय।

M.A HINDI SYLLABUS

SEMESTER - IV		
Core Course Code	**Title of the Course**	**Credit**
AHS 412 - A	**Upanyasa Sahitya – II** **उपन्यास साहित्य – II**	5
Internal Marks - 20		**End Semester Examination Marks : 80**

Course Objective : पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. विद्यार्थी स्वीकृत उपन्यासों का विस्तृत अध्ययन कर पायेंगे।
2. स्वीकृत उपन्यासों में व्यक्त विविध अंश यथा पारिवारिक संदर्भ, नारी चेतना, ग्रामीण चेतना आदि का विशेष अध्ययन।
3. उपन्यासों में चित्रित जीवन मूल्य, महानगरीय परिवेश आदि से अवगत हो पायेंगे।

Core-Semester - I - Optional - 412 - A : उपन्यास साहित्य - II

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए स्वीकृत पुस्तकें

1. अपने अपने अजनबी - अज्ञेय
2. बलवच नामा - नागार्जुन
3. मैला आंचल - फणीश्वर नाथ रेणु

लघूत्तरीय पाठ के लिए स्वीकृत पुस्तकें

1. चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा
2. राग दरबारी - श्री लाल शुक्ल
3. लौटे हुए मुसाफिर - कमलेश्वर
4. काली तथा वाया बाईपास - अलका सावांती
5. वोल्गा से गंगा - राहुल सांकृत्यायन

पाठ्यांश :

1. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त पारिवारिक संदर्भ

2. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त नारी चेतना
3. हिंदी उपन्यासों में व्यक्ति ग्रामीण चेतना
4. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त व्यंग्यात्मक स्वरूप
5. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त ऐतिहासिक तत्व
6. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त महानगरीय परिवेश
7. हिंदी उपन्यासों में व्यक्त जीवन मूल्य

Course Outcomes : पाठ्यक्रम का परिणाम:

co1: स्वीकृत विशिष्ट उपन्यासों मे चित्रत तत्कालीन समस्याओं का आकलन।

co2: उपन्यासों में व्यक्त विविध संदर्भों का विस्तृत अध्ययन ३.उपन्यासों की भाषा, शिल्प,रूप विन्यास आदि का विपुल अध्ययन।